کو سب ۔ اربن لائن سمجھا جائے اور اس ریلوے لائن کی طرح بھی میٹرو پولیٹین ایریا میں ہونے والی ترقی کی رفتار سے ہم قدم ہونا چاہئے، لیکن بھیونڈی کو ممبئی شہر کے میٹرو پولیٹین ریلوے میپ پر نہیں لایا گیا جب کہ بھیونڈی ممبئی سے صرف ۵۰ کلومیٹر کے فاصلے کے اندر ہے۔ بھیونڈی کے شہریوں کے ٹرانسپورٹ مسائل ختم کر کے اور شہر کی ترقی میں اضافہ کرنے کے لئے ضروری ہے کہ بھیونڈی شہر کو چوطرفہ [illegible] لائن سے جوڑا جائے۔ ہزاروں لوگوں کو روزانہ کپڑا مارکیٹ میں سوت خریدنے اور کپڑا بیچنے کے لئے ممبئی جانا ہوتا ہے۔ ٹریفک کی وجہ سے ۵۰ کلومیٹر جانے [illegible] گھنٹے لگ جاتے ہیں۔ تھانہ اور کلیان سے بھیونڈی صرف ۱۵ کلومیٹر کی دوری پر ہے، اسے لوکل لائن سے جوڑنا ضروری ہے۔ شکریہ۔

SHRI M.P. ABDUSSAMAD SAMADANI (Kerala): Sir, I would like to associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

Re: Demand for the Presence of a Cabinet Minister in the House

श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्तरांचल): उपसभापति जी, इस समय सदन में विशेष उल्लेख चल रहे हैं, स्पेशल मेंशन्स, जिनके बारे में और भी ज्यादा जरूरत होती है कि मंत्री लोग यहां रहें। एक भी कैबिनेट मिनिस्टर इस समय हाउस में नहीं हैं, एक भी कैबिनेट मिनिस्टर नहीं है। सर, हम बार-बार यह कह रहे हैं कि यह सरकार इस सदन को कतई गंभीरता से नहीं ले रही है। They are taking this House for a ride. और यह बार-बार उदाहरण प्रस्तुत होता है, संसदीय कार्य मंत्री सामने बैठे हैं, एक भी कैबिनेट मंत्री नहीं है। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप हाउस को ऐडजर्न करिए 10 मिनट के लिए, जब तक कैबिनिट मिनिस्टर यहां न आ जाएं, सदन नहीं चलेगा। ....(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: नहीं, नहीं। ऐडजर्न करने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता है। I am telling the Minister of State in the Ministry of Parliamentary Affairs to see that the ....*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, यह पहले भी हुआ है। सर, यह रोज़ का मामला है। ...(व्यवधान)...

डा॰ अलादी पी॰ राजकुमार (आंध्र प्रदेश): सर, एक कैबिनिट मिनिस्टर का सदन में होना बहुत जरूरी है। ...(व्यवधान)...

श्री मोती लाल वोरा (छत्तीसगढ़): हाउस ऐडजर्न करने की जरूरत नहीं है। ...(व्यवधान)...

प्रो॰ राम देव भंडारी (बिहार): सदन का समय बहुत महत्वपूर्ण है। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आप बैठिए, आप बैठिए। आप बैठ जाइए।

श्री राजीव शुक्ल (उत्तर प्रदेश): सर, संसदीय राज्य मंत्री यहां बैठे हुए हैं। कैबिनिट मंत्री का ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You are right, but ...*(Interruptions)*...

AN HON. MEMBER: The established convention is, ...*(Interruptions)*... the Parliamentary Affairs Minister ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, हाउस ऐडजर्न करिए 10 मिनट के लिए और संसदीय कार्य राज्य मंत्री को कहिए कि कोई केबिनिट मिनिस्टर आना चाहिए। ...(व्यवधान)...

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Let the Cabinet Minister come down to the House ...*(Interruptions)*... Who will note it down? ...*(Interruptions)*...

श्री राजीव शुक्ल: सर, ऐसा पहले भी हो चुका है। यह परम्परा ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: परम्परा ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, जब ये इधर बैठते थे तो हमेशा कैबिनिट मंत्री की मांग होती थी। सर, ऐसे नहीं चलेगा, आप हाउस ऐडजर्न करिए 10 मिनट के लिए और 10 मिनट में वे मंत्री को लेकर आएं।

श्री उपसभापति: आ जाएंगे।

श्रीमती सुषमा स्वराज: नहीं, ऐसे कैसे आ जाएंगे, सर।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I am giving directions to the Minister of State in the Ministry of Parliamentary Affairs to see that the Cabinet Minister is present here.

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी): आदरणीय उपसभापति महोदय, आदरणीया सुषमा जी का मैं बड़ा सम्मान करता हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री राजीव शुक्ल: संसदीय कार्य राज्य मंत्री हैं और ऐसी परम्परा रही है कि ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: राजीव जी, परम्पराएं भूलिए मत। आप बेवजह बीच में बोलते रहते हैं। वे सही से जबाव दे रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: सुषमा जी, सुन तो लीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: वे सही से जवाब दे रहे हैं, क्यों बीच में बोलते हैं। ...(**व्यवधान**)... सारी परम्पराओं को धता बताएंगे आप ...(**व्यवधान**)... सुरेश जी इन्हें कैबिनिट मिनिस्टर बना दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आप भी उठती हैं, वे भी उठते हैं, दोनों बैठ जाइए आप।

श्रीमती सुषमा स्वराज: सुरेश जी, इन्हें कैबिनिट मिनिस्टर बना दीजिए, ये बैठ जाया करेंगे। ...(**व्यवधान**)... क्यों आप परम्पराओं को धता बताते हैं। आप एक वरिष्ठ पत्रकार हैं, आपको इस बारे में सुर मिलाना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री राजीव शुक्ल: परम्पराएं कौन चला रहा है...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: सुषमा जी, आप बैठ जाइए।

श्रीमती सुषमा स्वराज: आप बार-बार कहे जा रहे हैं मंत्री हैं, मंत्री हैं।...(**व्यवधान**)...

डा॰ अलादी पी॰ राजकुमार: राजीव जी, अभी आपके मंत्री बनने में टाइम है। ...(**व्यवधान**)...

श्री राजीव शुक्ल: आप नाराज क्यों हो रहे हैं...(**व्यवधान**)...

श्री अरुण जेटली (गुजरात): सर, यह हाउस ऐडजर्न होता रहा है, इसमें एक्सप्लेनेशन का कोई संबंध नहीं है। The House has to be adjourned. ...(*Interruptions*)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: हाउस ऐडजर्न करिए, जब तक कैबिनिट मंत्री नहीं आएगा, सदन की कार्यवाही नहीं चल सकती। ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: सुषमा जी, अब आप मुझे बोलने देंगी।

श्रीमती सुषमा स्वराज: जी।

श्री सुरेश पचौरी: आदरणीय उपसभापति महोदय, सुषमा जी का मैं सम्मान करता हूं, उन्होंने अपने कार्यकाल का ज़िक्र किया है मैं यह नहीं कहना चाहता कि उस कार्यकाल में ज़ब कई मर्तबा, ऐसी पुरानी प्रोसिडिंग्स उठाकर देख लें, कैबिनिट मिनिस्टर नहीं थे तो सदन की कार्यवाही चलती रही...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: इनको बोलने दें न।

श्री सुरेश पचौरी: मैं इस बात का पक्षधर हूं कि सदन जब चले, उस समय एक न एक कैबिनिट मिनिस्टर को रहना चाहिए। हम प्रयास करेंगे, लेकिन सदन की कार्यवाही स्थगित नहीं हुई है, ऐसी मुझे पुरानी कोई परम्परा दिखी नहीं है और आपके कार्यकाल में, जब आप स्वयं संसदीय कार्य मंत्री थीं, उपसभापति महोदय, मैं विनम्रनतापूर्वक सुषमा जी को स्मरण दिलाना चाहूंगा कि स्वयं सुषमा जी जब संसदीय कार्य मंत्री थीं, अनेक अवसर ऐसे आए ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराज: एक बार भी नहीं, नॉट ए सिंगल टाइम। मैं चैलेंज करती हूं। ... **(व्यवधान)**...

श्री सुरेश पचौरी: सुषमा जी, गलत न बोलिए...**(व्यवधान)**... आप गलत न बोलिए।

श्रीमती सुषमा स्वराज: मैं चैलेंज करती हूं यहां। मैं मौजूदा संसदीय कार्य राज्य मंत्री को चुनौती देती हूं कि जब मैं संसदीय कार्य मंत्री थी ...**(व्यवधान)**...

श्री सुरेश पचौरी: अगर यह चुनौती वाली बात है, आप सदन में घोषणा कर दीजिए कि जब सदन की कार्यवाही आपके कार्यकाल में चली है तो हर समय सदन में एक कैबिनिट मिनिस्टर रहा है, मैं सदन से त्याग-पत्र दे दूंगा।

श्रीमती सुषमा स्वराज: जी, बिल्कुल घोषणा करती हूं। ...**(व्यवधान)**...

श्री सुरेश पचौरी: ऐसा मत कहिए आप। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: नहीं, नहीं, नहीं। देखिए ...**(व्यवधान)**...

SHRI ARUN JAITELY: The House cannot proceed in this manner. ...(*Interruptions*)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, मैं घोषणा करती हूं कि जब मैं संसदीय कार्य मंत्री थी ...(व्यवधान)...

SHRI ARUN JAITELY: He is trying to rationalise that. ...(*Interruptions*)... Is he trying to justify the absence of the Cabinet Minister? ...(*Interruptions*)... Of course, he is justifying that. ...(*Interruptions*)...

श्री सुरेश पचौरी: गृह मंत्री जी को सूचना दे दी गई है, गृह मंत्री जी अभी यहां आने वाले हैं। ऐसा नहीं है कि हम इसको सहजता से ले रहे हैं, हम इसको गंभीरता से ले रहे हैं। गृह मंत्री जी को सूचना दे दी गई है। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, मैं इनकी चुनौती स्वीकार करती हूं कि जब मैं संसदीय कार्य मंत्री थी, एक बार भी सदन ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया (झारखंड): उपसभापति महोदय, सदन की परम्परा रही है, कैबिनिट मिनिस्टर नहीं हैं, जब तक नहीं आएं, हाउस ऐडजर्न कर दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

AN HON. MEMBER: Under which rule?

श्री सुरेश पचौरी: परम्परा है तो परम्परा का ज़िक्र करिए। ...(**व्यवधान**)... मान्यवर, यह सदन ...(**व्यवधान**)... अगर कोई परम्परा है तो उस परम्परा का ज़िक्र किया जाए। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: आप सदन को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आप मुझे बताइए परम्परा। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, अगर आप एडजर्न नहीं कर रहे हैं तो हम वॉक आउट करेंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: अपने कार्यकाल को भी आप याद कर लीजिए...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आप मुझे बताइए परम्परा। कोई परम्परा नहीं है। We are to run the House according to rules and procedures ...(*Interruptions*)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, अगर आप हाउस को एडजर्न करते हैं तो ठीक है। ...(**व्यवधान**)... नहीं कर रहे हैं तो हम वॉक-आउट करेंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: हमको भी हाउस चलाना है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: नहीं, नहीं ऐसा कभी नहीं हुआ। कई मर्तबा मैंने यह मामला उठाया है और आप लोगों ने कहा कि कैबिनेट मिनिस्टर का होना जरूरी नहीं है। ..(**व्यवधान**) यदि परम्परा है तो परम्परा को उद्धत कीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: हाउस को एडजर्न करना जरूरी नहीं है।

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, अगर आप हाउस को एडजर्न नहीं करेंगे तो यहां कैबिनेट मिनिस्टर के न होने की वजह से हम बहिर्गमन करेंगे। चलिए आप लोग, ये बिना विपक्ष के भी चला लें। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: नहीं, नहीं। हाउस को एडजर्न करना जरूरी नहीं है। ...(व्यवधान)...

[MR. CHAIRMAN in the Chair]

श्रीमती सुषमा स्वराज: Sir, They are taking Parliament for a ride. सर, मैं बार बार यह कहती हूं और बार-बार बाहर भी हम यह बात कह रहे हैं कि यह सरकार सदन को गंभीरता से नहीं ले रही। विशेष उल्लेख चल रहे हैं और एक भी कैबिनेट मिनिस्टर यहां नहीं बैठा है और जब कभी कैबिनेट मिनिस्टर न हों तो पहले भी इनकी मांग पर हाउस एडजर्न हुआ है। इसलिए मेरा कहना यह है कि आप दस मिनट के लिए हाउस एडजर्न कर दीजिए और सरकार को मौका दे दीजिए। ...(व्यवधान)... सरकार को मौका दे दीजिए वे कैबिनेट मिनिस्टर को ले आएंगे, तब हम भी वापस आ जाएंगे। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मैं दूसरा रास्ता निकाल लेता हूं। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, आज तक कभी नहीं हुआ। ...(व्यवधान)... इतना बड़ा मंत्रिमंडल है, उनमें से एक भी मंत्री नहीं आ सकता क्या? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बैठिए, बैठिए। ...(व्यवधान) आप बैठिए तो सही, सुनिए तो सही। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, जिस समय संसद चल रही होती है तो मंत्रियों का प्राथमिक उत्तरदायित्व संसद के प्रति होता है। The primary responsibility of Ministers is towards Parliament. लेकिन एक भी मंत्री इतने बड़े मंत्रिमंडल से यहां नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बैठिए, बैठ जाइए आप।

श्रीमती सुषमा स्वराज: नहीं, अगर आप हमारा समाधान कर रहे हैं, ...(व्यवधान) अगर आप हमारा समाधान कर रहे हैं, अगर आप हाउस एडजर्न कर रहे हैं तो ठीक वरना हम लोग तो वॉक आउट कर रहे थे, सर। ...(व्यवधान)

श्री सभापति: मेरी भी सुनिए। ...(व्यवधान) मैंने आपकी बात सुन ली। मैं यह उचित समझता हूं, पहले भी कई बार कह चुका हूं कि खास तौर से स्पेशल मैंशन्स जिस दिन लिए जाते हों उस समय मंत्रिमंडल के सदस्य यहां होने चाहिए, ताकि मामले की गंभीरता को वे समझ सकें। अब मैं चाहूंगा कि मंत्री भविष्य में यहां बैठे रहें। इस बात का यदि आश्वासन मिल जाए और तुरन्त मंत्री लोग आ जाएं तब ठीक है। मैं माननीय सदस्यों से निवेदन करूंगा कि कुछ समय के लिए वे इंतजार करें।

श्रीमती सुषमा स्वराज: नहीं सर, पंद्रह मिनट से यह झगड़ा चल रहा है, अभी तक एक भी मंत्री नहीं आया। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: अब आप बैठ जाइए। अब कह दिया है उनसे, आप थोड़ा इंतज़ार कर लीजिए। ...(**व्यवधान**)

SHRIMATI AMBIKA SONI (Punjab): Either they should accept what you say or I also have a right to speak. ...*(Interruptions)*... I said, either they should accept the ruling of the Chair or you give me the right to reply to them. ...(*Interruptions*)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, गवर्नमेंट को लाना है मंत्रियों को, आप तो केवल आदेश दे सकते हैं। ...(**व्यवधान**)

श्री सभापति: एक मिनट सुन लीजिए, मैंने इनको कहा है। आप थोड़ा इंतजार कर लीजिए कि मंत्री आ जाएं। ...(**व्यवधान**)

श्रीमती सुषमा स्वराज: तब सर, आप दस मिनट के लिए एडजर्न कर दीजिए। हम भी वापस आ जाते हैं।

श्री सभापति: नहीं हम एडजर्न नहीं करेंगे।

श्रीमती सुषमा स्वराज: यदि ऐसा है तो हम वॉक आउट कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)

(At this stage some hon. Members left the Chamber.)

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: In protests, we are all walking out. This is very unfair. ..(*Interruptions*)...

(At this stage some hon. Members left the Chamber.)

श्री अमर सिंह (उत्तर प्रदेश): हम वॉक आउट तो नहीं कर रहे हैं लेकिन हम सहमत हैं कि मंत्रियों को उपस्थित रहना चाहिए।

SHRIMATI AMBIKA SONI: They are showing disrespect to the ruling of the Chair. ...(*Interruptions*)...

PROF. SAIF-UD-DIN SOZ (Jammu & Kashmir): They should accept your ruling politely. ...(*Interruptions*)...

श्री सभापति: मेरी सुन लीजिए, आप बैठिए। देखिए चाहे परम्परा ...(**व्यवधान**)। आप बैठिए तो सही। ...(**व्यवधान**) देखिए परम्परा की बात हो चाहे नियमों की बात हो। यह तो हाउस की

शोभा बढ़ती है कि माननीय सदस्य बोलें उस समय उनके रिस्पोंस के लिए, या जो बोलें उनकी जानकारी के लिए मंत्रिमंडल के सदस्य यहां उपस्थित रहें तो सदन की परम्परा बनेगी, परम्परा का व सदन का महत्व बढ़ेगा और सदन में जो माननीय सदस्य सवाल उठाते हैं, उनका उत्तर प्राप्त हो, इस प्रकार का आश्वासन स्वत: ही मिल जाएगा। और सदन में जो माननीय सदस्य सवाल उठाते हैं उनका उत्तर प्राप्त हो उस प्रकार का आश्वासन स्वत: ही मिल जाएगा।

श्री नीलोत्पल बसु (पश्चिम बंगाल): सर, शोभा बढ़ने का सवाल नहीं है। ...(**व्यवधान**)

SHRIMATI AMBIKA SONI: We have accepted that a Cabinet Minister must always be present here. But, today, the Opposition has shown total disregard to the ruling of the Chair.

श्री सभापति: मैं यह नहीं मानता।

श्रीमती अम्बिका सोनी: वाकआउट क्यों कर गए, सर। ...(**व्यवधान**)

श्री राजीव शुक्ल: परम्परा यह रही है कि मंत्री रहने चाहिएं। लेकिन कई बार ऐसा रहा है कि संसदीय राज्य मंत्री राजगोपाल जी अकेले यहां बैठे रहे हैं और सदन चला है। ...(**व्यवधान**)

श्री नीलोत्पल बसु: सर, यह सिर्फ शोभा बढ़ाने की सवाल नहीं है। मेरे ख्याल में सुरेश जी भी हमारे साथ में सहमत होंगे कि हम जब विरोधी पक्ष में बैठते थे तो ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है कि केबिनेट मिनिस्टर की गैर मौजूदगी में हमने एडजॉर्नमेंट करने के लिए भी चेयर को मजबूर किया। तो इसलिए यह ठीक बात नहीं है, यह केवल शोभा बढ़ाने का सवाल नहीं है। एक केबिनेट मिनिस्टर हमेशा हाऊस में रहे यह परम्परा रही है इस सदन की। इसका इश्यू न बनाते हुए संसदीय मंत्री देखें कि आयन्दा ऐसा न हो। यह बात होनी चाहिए कि हमेशा कोई केबिनेट मिनिस्टर होना चाहिए।

SHRI AMAR SINGH: Sir, we assosicate ourselves with Mr. Basu.

श्री सुरेश पचौरी: आदरणीय सभापति महोदय, जब यह बात विपक्ष द्वारा उठाई गई थी कि चाहे स्पेशल मेंशन के दौरान या अन्य कोई भी बिजनेस चले उस दौरान एक न एक केबिनेट मिनिस्टर का यहां सदन में रहना आवश्यक है। मैंने उस समय भी इस बात का जिक्र किया था कि मैं स्वयं इस बात का पक्षधर हूं कि चर्चा के दौरान सदन में एक न एक केबिनेट स्तर के मिनिस्टर को रहना चाहिए। मैंने इस बात से सहमति जाहिर की थी। चूंकि परम्परा का उल्लेख किया गया था और माननीय, इस सदन की परम्परा ...(**व्यवधान**)।

श्री सभापति: अब आप छोड़िए।

श्री सुरेश पचौरी: जो सदन की प्रोसीडिंग्स हैं–रूल बुक में कहीं नहीं है कि केबिनेट मिनिस्टर

की अनुपस्थिति में सदन की कार्यवाही स्थगित की जाए। उसमें वर्डिंग्स है कि कोई भी मिनिस्टर सदन में हो। उसमें कोई स्टेट या केबिनेट का जिक्र नहीं है। मान्यवर, फिर भी जो आपने भावना व्यक्त की है उस भावना से मैं माननीय मंत्रियों को अवगत करा दूंगा और अपनी तरफ से हर संभव यह प्रयास करूंगा कि चर्चा के दौरान कम से कम एक न एक केबिनेट मिनिस्टर यहां रहा करे। रही बात आज की तो यह कहावत है, मान्यवर, ''पर उपदेश कुशल बहुतेरे'' महोदय, दूसरों को उपदेश देना तो बहुत आसान है लेकिन स्वयं अमल करना बहुत मुश्किल होता है। इसलिए चूंकि उस समय के कार्यकाल का जिक्र किया, अनेक अवसर ऐसे आए कि केबिनेट मिनिस्टर मौजूद नहीं रहे तब भी हमने सदन की कार्यवाही चलने दी है और स्थगन की हमने कोई मांग नहीं की है। मान्यवर, मैं अपनी बात समाप्त करना चाहूंगा कि जब आपने अपनी भावना व्यक्त कर दी है तो उसके बाद माननीय सदस्यों को आपकी भावनाओं का आदर करना था, अनादर करते हुए सदन से बहिर्गमन करना अनुचित था।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, पचौरी जी जो बोले हैं मैं न इसको अनादर मानता हूं और न उसको आदर मानता हूं । प्रश्न यह है कि आप रुल्स में नहीं जाएं, परम्पराओं के आधार पर नहीं जाए। यह उचित होगा कि हाऊस के अंदर गवर्नमेंट का रिप्रजेंटेशन पूरा हो और गवर्नमेंट का रिप्रजेंटेशन होने के लिए कम से कम एक-दो मंत्री केबिनेट के, बाकी के लोग रहें तो सही। नहीं हो तो माननीय सदस्य जो आपत्ति उठाते हैं वह सही है, और उस आपत्ति उठाने के बाद भी अभी तक मैं ऐसा समझता हूँ कि मैं एक बार नहीं दो-तीन बार पहले भी कह चुका हूँ, मैंने आपके रुल और परम्परा देखी हैं। मैं राजस्थान विधान सभा में 50 वर्ष तक रहा हूं और 50 वर्षों में कई बार ऐसे मौके आते रहे हैं कि माननीय मंत्री सदन में नहीं होते हैं तो विरोधी दल की तरफ से इसकी आवाज उठाई जाती है लेकिन मंत्री तत्काल हाउस में आ जाते हैं। यहां मंत्री गए कहां इनका ही पता नहीं लग रहा है।

श्री मोती लाल वोरा: एक तो आ गए हैं।

श्री सभापति: लेकिन बाकी के कहां गए हैं?

श्री मोती लाल वोरा: दूसरे हाऊस में हैं।

श्री सभापति: दूसरे हाऊस में क्या है। मैं पचौरी जी से निवेदन करुंगा कि आप नियमों और परम्पराओं में नहीं जाएं, कम से कम इस बात की व्यवस्था निश्चित रूप से कर दें कि मंत्रिमंडल के सदस्यों में जो भी बैठ सकें यहां दो-चार, उनको बैठाने के लिए कोई व्यवस्था की जाए। (व्यवधान)

SPECIAL MENTIONS—(Contd.)

Need to connect hinterland in Kashmir by air service

PROF. SAIF-UD-DIN SOZ (Jammu and Kashmir): Mr. Chairman, Sir, the far-flung areas in Kashmir have suffered severe neglect and deprivation for decades for want of essential services. The people of Gurez, Tulail,